राष्ट्रीय काव्यधारा और दिनकर

सम्पादक
डॉ.उषा सिंह

लेखक
आस्था सिंह,
एच.पी.सिंह

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय काव्यधारा और दिनकर

—: सम्पादन :—
डॉ. उषा सिंह
प्राध्यापक
शास.कन्या महाविद्यालय, टीकमगढ़ (म.प्र.)

— लेखक —
आस्था सिंह
एवं
एच. पी. सिंह

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
Limbaganesh, Dist. Beed, Pin-431126
Mobi. 09850203295, 07588057695

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय काव्यधारा और दिनकर

© डॉ. उषा सिंह
आस्था सिंह एवं एच. पी. सिंह

❖ **Publisher :**

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
Limbaganesh, Dist. Beed (Maharashtra)
Pin-431126, vidyawarta@gmail.com

❖ **Printed by :**

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
Limbaganesh, Dist. Beed, Pin-431126

❖ **Page design & Cover :**

Shaikh Jahurodden

❖ **Edition: Sept. 2016**

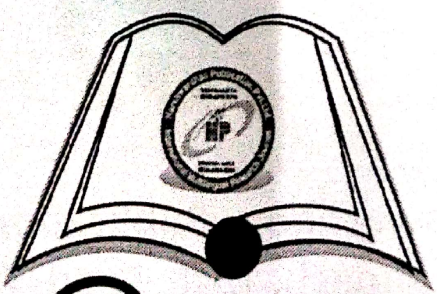

ISBN 978-93-85882-64-7

❖ **Price : 300/ -**

www.विद्यावार्ता.कॉम

❖ अनुक्रमणिका ❖

अध्याय	विषय	पृष्ठ
अध्याय एक	प्रस्तावना	07
अध्याय दो	कवि दिनकर का व्यक्तित्व और कृतित्व समसामयिक परिस्थितियां	14
अध्याय तीन	दिनकर के काव्य से पूर्व राष्ट्रीयता का विकास	25
अध्याय चार	आधुनिक काल और राष्ट्रीय काव्यधारा	60
अध्याय पांच	दिनकर और उनका काव्य	92
अध्याय छह	दिनकर और उनकी राष्ट्रीय काव्यधारा	116
अध्याय सात	उपसंहार	146

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. उषा सिंह स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग, शासकीय कन्या महाविद्यालय टीकमगढ़ (म.प्र.) में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत है। संयुक्त लेखन में इनकी पुस्तकें - बंधुआ मजदूर : समस्याऐं और समाधान, सामाजिक परिवर्तन के विविध आयाम, भारत में बालश्रम : समस्याऐं और समाधान, आज के दलित : उत्थान और पतन एवं रिश्तों का समाजशास्त्र और वर्तमान परिदृश्य तथा इनके सम्पादन में नागफनी के फूल (काव्य संग्रह) एवं जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन प्रकाशित हो चुकी हैं तथा इनके सम्पादन में यह पुस्तक राष्ट्रीय काव्यधारा और दिनकर आपके समक्ष प्रस्तुत है। इनके अनेक शोध पत्र नेशनल एवं इण्टरनेशनल जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं तथा अनेकों राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार में भाग लिया है। यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित "सिर पर मेला ढोने की प्रथा" शोध परियोजना बहुत प्रशंसनीय और सराहनीय रही हैं। श्रीमति सिंह की सभी पुस्तकें देश और विदेशों में चर्चित और प्रशंसनीय रही हैं।

हरेन्द्रपाल सिंह म.प्र.राष्ट्रभाषा प्रचार समिति टीकमगढ़ के अध्यक्ष एवं म.प्र.लेखक संघ के प्रवक्ता हैं। श्री सिंह एक वरिष्ठ कवि एवं लेखक हैं। संयुक्त लेखन में इनकी पुस्तकें - बंधुआ मजदूर : समस्याऐं और समाधान, सामाजिक परिवर्तन के विविध आयाम, भारत में बालश्रम : समस्याऐं और समाधान, आज के दलित : उत्थान और पतन एवं नागफनी के फूल कविता संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। रिश्तों का समाजशास्त्र और वर्तमान परिदृश्य प्रकाशित हो चुकी है तथा यह पुस्तक राष्ट्रीय काव्यधारा और दिनकर इनके सम्पादन में प्रस्तुत है इनके अनेक शोधपत्र नेशनल जनरल्स में प्रकाशित हो चुके हैं तथा अनेकों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया है। यह पुस्तक "जनसंचार और सामाजिक परिवर्तन" इनके सहसम्पादन में आपके समक्ष प्रस्तुत है।

आस्थासिंह हिन्दी साहित्य से एम.ए., एम.फिल हैं तथा हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय से डॉ.हरिसिंह गौर सम्मान से सम्मानित हैं। यह उनकी संयुक्त लेखन में प्रथम पुस्तक है जो आपके समक्ष प्रस्तुत है।

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
At.Post.Limbaganesh, Tq.Dist.Beed-431 126
(Maharashtra) Mob.09850203295
E-mail: vaidyawarta@gmail.com
www.vaidyawarta.com

Publishing Year 2016-17

ISBN :978-93-85882-64-7

Scanned with OKEN Scanner